न्यूज डायरी

बाइडेन की नई टीम में 20 से अधिक भारतवंशी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वॉशिंगटन। अमेरिका में हुए राष्ट्रपति चुनाव के विजेता जो बाइडन ने 20 से अधिक भारतवंशियों को अपनी एजेंसी रिव्यू टीम में शामिल किया है। इनमें से तीन भारतवंशी टीम का नेतृत्व करेंगे। यह टीम प्रमुख संघीय एजेंसियों की मौजूदा प्रशासन में कार्यप्रणाली की समीक्षा करेगी ताकि सत्ता का हस्तांतरण सुचारु रूप से सुनिश्चित किया जा सके। बाइडन की हस्तांतरण टीम ने कहा कि अब तक के राष्ट्रपति हस्तांतरण टीम के इतिहास में यह टीम सबसे अधिक विविधता लिए हुए है। अमेरिका में सत्ता हस्तांतरण के लिए बनाई गई आर्ट टीम में सैकड़ों सदस्य हैं जिनमें से आधी से अधिक महिलाएं हैं। 40 प्रतिशत उन समुदायों से हैं जिनका संघीय सरकार में ऐतिहासिक रूप से कम प्रतिनिधित्व रहा है। इनमें गैर श्वेत, एलजीबीटी और विकलांग शामिल हैं। टीम के मुताबिक स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय के अरुण मजूमदार ऊर्जा विभाग में सत्ता हस्तांतरण के लिए बनाई गई आर्ट का नेतृत्व करेंगे।

पाक मंत्री ने माना, भारत विरोध हमारी रोजी रोटी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। पाकिस्तानी नेताओं की राजनीति पूरी तरह से भारत विरोध पर टिकी है। वहां जो नेता जितनी ज्यादा भारत की बुराई करता है उसे उतना ही बड़ा पद दिया जाता है। इसका प्रत्यक्ष उदाहरण इमरान खान है। पाकिस्तानी प्रधानमंत्री इमरान खान का शायद ही कोई ऐसा दिन बीतता होगा जब वह भारत के विरोध में कोई बयान न दें। अब हाल में ही उनकी एक करीबी मंत्री ने कबूल किया है कि पाकिस्तान में एंटी इंडिया सेंटीमेंट का चूरन सबसे ज्यादा बिकता है। इसलिए, सभी राजनेता इस मुद्दे को सबसे ज्यादा उछालते हैं। पाकिस्तानी पंजाब सूबे की सूचना और संस्कृति मामलों की स्पेशल असिस्टेंट और इमरान खान के करीबियों में शुमार फिरदौस आशिक अवान ने पाकिस्तानी मीडिया के साथ बातचीत में कबूल किया कि भारत विरोध ही उन जैसे नेताओं की रोजी रोटी है। ऐंकर ने पूछा कि हमने बहुत आम नहीं कर दिया है कि गद्दारी, भारत, मोदी जैसे मुद्दों का हर जुमले में इस्तेमाल हो?

ईरान से निपटने के लिए यूएई को हथियार दे रहा अमेरिका

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) अबू धाबी। अमेरिका ने संयुक्त अरब अमीरात को 1 लाख 73 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा की हथियारों के डील को मंजूरी दे दी है। इस डील के जरिए अमेरिका अपने स्टेट ऑफ ऑर्ट माने जाने वाले स्टील्थ लड़ाकू विमान एफ–35 और एमक्यू–9 रीपर ड्रोन को यूएई को बेचेगा। अमेरिकी विदेश मंत्री माइक पोम्पियो ने कहा कि 23 अरब डॉलर से ज्यादा कीमत वाली इस डील में कई उन्नत हथियार प्रणालियों को संयुक्त अरब अमीरात को दिया जाएगा। यूएई पिछले कई साल से अमेरिका के एफ–35 स्टील्थ लड़ाकू विमान को खरीदना चाहता था। लेकिन, इजरायल की आपत्ति के कारण यह डील लटकी हुई थी। कुछ महीने पहले ही यूएई ने इजरायल के साथ शांति समझौते पर हस्ताक्षर किया है। हाल में ही यूएई, बहरीन और सूडान ने इजरायल के साथ समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं।

पाकिस्तानी राष्ट्रपति भवन में भी बहन–बेटियां सुरक्षित नहीं

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। पाकिस्तान के इस्लामाबाद स्थित अति सुरक्षित माने जाने वाले राष्ट्रपति भवन में भी महिलाएं सुरक्षित नहीं है। एक महिला एक्टिविस्ट मारिया इकबाल तराना ने सोमवार कोआरोप लगाया कि उनका राष्ट्रपति भवन में अधिकारियों ने उत्पीड़न किया था। तराना ने ट्वीट कर कहा कि वह एक कार्यक्रम के सिलसिले में राष्ट्रपति भवन गईं थीं, जहां उनका अधिकारियों ने उत्पीड़न किया। पाकिस्तानी मीडिया डेली पाकिस्तान की रिपोर्ट के अनुसार, मारिया इकबाल तराना शिक्षा के क्षेत्र में काम करने वाले एक संगठन तालीम के संस्थापक हैं। इसके अलावा वह पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में महिलाओं की स्थिति, कश्मीर के लिए यूथ फोरम और पीपुल्स कमीशन फॉर मॉइनॉरिटी राइट्स की पूर्व अध्यक्ष भी रह चुकी हैं।

कोरोना को घातक बनाने वाले जीन की हुई पहचान

वैक्सीन या दवा बनाने में मिलेगी मदद

सफलता

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

न्यूयॉर्क। कोरोना वायरस पर रिसर्च कर रहे अमेरिकी वैज्ञानिकों को बड़ी सफलता मिली है। अमेरिकन म्यूजियम ऑफ नेचुरल हिस्ट्री के वैज्ञानिकों ने उस जीन की पहचान कर ली है जो उसे जैविक प्रतिरोध और महामारी फैलाने की क्षमता प्रदान करता है। कोरोना का यह घातक हथियार (जीन) अभी तक अज्ञात था। बताया जा रहा है कि इस खोज के कारण कोरोना वायरस की वैक्सीन या दवा बनाने के काम को काफी मजबूती मिलने की संभावना है।

अमेरिकन म्यूजियम ऑफ नेचुरल हिस्ट्री के वैज्ञानिकों की टीम के मुताबिक अब तक कोरोना वायरस के जीनोम में शामिल 15 जीन (आनुवांशिकी गुणों को संग्रहित रखने के लिए जिम्मेदार हिस्सा)की पहचान की जा चुकी है। इसका प्रभावी असर इस वायरस के खिलाफ टीके या दवा को विकसित करने पर पड़ सकता है। नवीनतम अध्ययन को जर्नल ई–लाइफ में प्रकाशित किया गया है। इसमें वैज्ञानिकों ने वायरस के जीन के भीतर जीन होने का उल्लेख किया है।

कोरोना वायरस का घातक हथियार है यह जीन

माना जा रहा है कि यह संक्रमित के शरीर में वायरस की प्रतिकृति बनाने में अहम भूमिका निभाता है। अमेरिकन म्युजियम ऑफ नेचुरल हिस्ट्री में कार्यरत और अनुसंधान पत्र के प्रमुख लेखक चेस नेलसन ने कहा कि जीन के भीतर मौजूद यह जीन कोरोना वायरस का एक हथियार हो सकता है जो संभवत वायरस को अपनी प्रतिकृति बनाने में मदद करता हो और संक्रमित के प्रतिरोधक क्षमता को निशाना बनाता हो। उन्होंने कहा कि जीन के भीतर जीन की मौजूदगी और उसके कार्य करने के तरीके से कोरोना वायरस को नियंत्रित करने के नए तरीके के लिए रास्ते खुल सकते हैं।

वैज्ञानिकों ने जीन को ओआरएफ३डी नाम दिया: अनुसंधानकर्ताओं ने सार्स कोव–2 (कोविड–19 बीमारी के लिए जिम्मेदार कोरोना वायरस) के जीन के भीतर मौजूद जिस जीन की पहचान की है उसे ओआरएफ३डी नाम दिया गया है। इस जीन में प्रोटीन को उम्मीद से अधिक कूटबद्ध करने (कार्यप्रणाली निश्चित करने की जानकारी) की क्षमता है। उन्होंने बताया कि ओआरएफ३डी पूर्व में खोज किए गए पैंगोलिन कोरोना वायरस में भी मौजूद थे और जो संकेत करता है कि सार्स–कोव–2 और संबंधित वायरस के विकास के दौरान यह जीन विकास के क्रम से गुजरा।

कोरोना की एंटीबॉडी से लड़ता है यह जीन: अध्ययन के मुताबिक ओआरएफ३डी की स्वतंत्र पहचान की गई और पाया गया कि कोविड–19 मरीज में बीमारी से लड़ने के लिए बने एंटीबॉडी के खिलाफ यह मजबूती से कार्य करता है। इससे यह प्रदर्शित हुआ कि नए जीन से मानव में संक्रमण के दौरान नए तरह का प्रोटीन बना। नेल्सन ने कहा कि हम अब भी इसकी कार्यप्रणाली या चिकित्सकीय महत्व को नहीं जानते हैं लेकिन पूर्वानुमान लगा सकते हैं कि इस जीन की शायद ही टी– कोशिका (संक्रमण से लड़ने वाली कोशिका) पहचान कर पाती है ताकि मुकाबला करने के लिए एंटीबॉडी का उत्पादन कर सके और यह पता लगाना है कि आखिर कैसे जीन स्वयं को बचाता है।

मुंबई हमले में शामिल 11 आतंकियों को पाक ने किया मोस्ट वॉन्टेड घोषित

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने आखिरकार भारत के दबाव में घुटने टेक दिए हैं। भारत की सफल कूटनीति से मात खाए पाकिस्तान को आतंकवादियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने के लिए बाध्य होना पड़ रहा है। जिसके बाद पाकिस्तान की एफआईए ने मोस्ट वॉन्टेड की नई सूची में मुंबई हमले में शामिल 11 आतंकियों के नाम को दर्ज किया है। इतना ही नहीं, इन आतंकियों के ठिकाने को बताने पर इनाम का भी ऐलान किया गया है।

पाकिस्तानी आतंकियों ने दिया था मुंबई हमले को अंजाम: बता दें कि 26 नवंबर 2008 को पाकिस्तानी सेना और खुफिया एजेंसी की शह पर लश्कर ए तैयबा के आतंकियों ने मुंबई में कई स्थानों पर हमले किए थे। इस आतंकी हमले में कई विदेशियों सहित करीब 155 लोगों की मौत हो गई थी। जिसके बाद एनएसजी की टीम ने ऑपरेशन ब्लैक टॉरनेडो लॉन्च कर आतंकियों का सफाया किया था। इस हमले का मास्टर माइंड जकीउर रहमान लखवी है जिसे पाकिस्तान में गिरफ्तारी के बाद जमानत पर रिहा कर दिया गया था। एफएटीएफ ने कहा था कि पाकिस्तान ने आजतक हमारे 27 कार्ययोजनाओं में से केवल 21 को ही पूरा किया है।

मोजांबिक में आईएसआईएस ने किया कत्लेआम

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) मैपुटो। मोजांबिक में सीरिया से भागकर आए आईएसआईएस के आतंकी कहर बरपा रहे हैं। सरकारी सेनाओं के मैदान छोड़कर भागने के कारण यह आतंकी संगठन पूरे देश में तेजी से पांव पसार रहा है। डेली मेल की एक रिपोर्ट के अनुसार, आईएसआईएस के आतंकियों ने एक फुटबाल के मैदान में फरमान न मानने वाले 50 लोगों को मौत के घाट उतार दिया। इतना ही नहीं, इसके बाद आतंकियों ने उन लोगों के शरीर के टुकड़े–टुकड़े कर दिए। बीबीसी न्यूज की खबर के मुताबिक बंदूकधारियों ने गांव पर हमला करने के दौरान अल्लाह हू अकबर के नारे लगाए।

महिला पुलिस अधिकारी को तालिबान ने दी अमानवीय सजा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

काबुल। अफगानिस्तान में सरकार के साथ शांति समझौते के बावजूद तालिबान का आतंक रुकने का नाम नहीं ले रहा है। तालिबानी आतंकियों ने 33 साल की एक महिला को पुलिस स्टेशन में काम करने के जुर्म में न केवल आंखों में चाकू गोदकर अंधा किया, बल्कि उसके बाद गोली भी मार दी। हालांकि, आसपास मौजूद लोगों की मदद से समय पर अस्पताल पहुंचने से महिला की जान बच गई है।

पुलिस अधिकारी है पीड़ित महिला: रिपोर्ट के अनुसार, 33 साल की खटेरा गजनी प्रांत की एक पुलिस स्टेशन में नौकरी

आंखें फोड़कर मारी गोली

करती थीं। वह तीन महीने पहले ही गजनी पुलिस की अपराध शाखा में एक अधिकारी के रूप में नियुक्त हुईं थीं। उन्होंने हमले के बाद रॉयटर्स को बताया कि अगर मेरे ऊपर कम से कम एक साल पुलिस की नौकरी करने के बाद हमला हुआ होता तो भी मुझे इतनी तकलीफ नहीं होती। यह सब बहुत जल्द हो गया। मुझे मेरे सपने को जीने और पुलिस के लिए केवल तीन महीने काम करने का ही समय मिला।

तालिबान ने महिला अधिकारों का सम्मान करने का किया था दावा: हाल के महीनों में तालिबान ने कहा है कि वे शरिया कानून के तहत महिलाओं के अधिकारों का सम्मान करेंगे। लेकिन, कई शिक्षित महिलाओं का कहना है कि उन्हें तालिबान के वादे पर संदेह है। विद्रोही समूह ने पहचान पत्रों में मां के नाम जोड़ने के लिए सुधार का विरोध किया है। इससे साबित होता है कि वे महिलाओं के अधिकारों के लिए किए गए अपने वादे के खिलाफ काम कर रहे हैं।

महिला का आरोप- पिता ने करवाया हमला: महिला ने आरोप लगाया कि उसके पिता इस नौकरी के खिलाफ थे। उसने कहा कि कई बार जब मैं ड्यूटी पर जाती थी तो मेरे पिता पीछे–पीछे आते थे। उन्होंने पास के इलाके में तालिबान से संपर्क कर मुझे नौकरी पर जाने से रोकने को कहा था।

फ्रांस–तुर्की समेत 7 देशों की यात्रा पर जा रहे पोम्पियो

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वॉशिंगटन। अमेरिका में राष्ट्रपति पद के लिए हुए विवादास्पद चुनाव के बाद घरेलू स्तर पर राजनीतिक उथल–पुथल के बीच विदेश मंत्री माइक पोम्पियो सात देशों की यात्रा पर जा रहे हैं। अमेरिकी विदेश मंत्रालय के अनुसार, माइक पोम्पियो अपनी यात्रा की शुरुआत शुक्रवार को फ्रांस से करेंगे। जिन सात देशों में पोम्पियो के जाने का कार्यक्रम है उसमें फ्रांस, तुर्की, जॉर्जिया, इजराइल, कतर, संयुक्त अरब अमीरात और सऊदी अरब शामिल हैं। पोम्पियो ने कहा कि हर देश में अलग–अलग मामलों पर चर्चा होगी, लेकिन मुझे भरोसा है कि इनमें से कई देशों के साथ पश्चिम एशिया में शांति स्थापित करने तथा सहयोग के इस प्रशासन के ऐतिहासिक प्रयासों पर वार्ता होगी। पोम्पिओ 13 से 23 नवंबर तक इन देशों की यात्रा करेंगे। वह सबसे पहले फ्रांस जाकर राष्ट्रपति एमैनुएल मैक्रों से मुलाकात करेंगे। फ्रांस के बाद माइक पोम्पियो तुर्की और जॉर्जिया जाएंगे। इसके बाद वह इजरायल में वहां के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से मुलाकात करेंगे। पोम्पिओ इजरायल से संयुक्त अरब अमीरात, कतर और फिर सऊदी अरब जाएंगे।